Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MS-SCT-401

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May–June-2023

M.Sc. Yoga Science, Semester-IV
Yoga Science; Paper : First
Brahmasutra & Viveka Chudamani

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

Note: This paper is of seventy (70) marks divided into two (02) sections A, and B. Attempt the questions of each sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

Section - A / खण्ड–क
(Long Answer Type Questions) /(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'A' contains five (05) long-answer-type questions of fifteen (15) marks each. Attempt any **three** questions. **(3×15=45)**

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. "ब्रह्मसूत्र" एवं उनके लेखक का परिचय विस्तृत रूप में लिखें।

Give a brief introduction of "Braham Sutra" and its writer.

2. विवेक चूड़ामणि के अनुसार "तीन शरीर" अवधारणा को गहनता से स्पष्ट करें।

According to Vivek Chudamani, Define the Concept of "Tri-Shareer"

3. 'अंतः करण चतुष्टय' से आप क्या समझते हैं। स्पष्ट करें।

What do you understand by term 'Antahkaran Chatusthaya'.

4. विवकेचूड़ामणि के अनुसार, पंचप्राण के स्वरूप एवं कार्यों का विवेचन करें।

According to Vivek Chudamani discuss the form and functions of Panch Prana.

5. विवके चूड़ामणि के अनुसार वैराग्य का वर्णन करें।

Explain Vairagya as per Vivek Chudamani.

Section - B / खण्ड-ख

(Short Answer Type Questions) /(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'B' contains Seven (07) short-answer-type questions of five (05) marks each. Attempt any **five** (05) questions. **(5×5=25)**

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

6. "अथातो ब्रह्मजिज्ञासा" सूत्र को स्पष्ट करें।

Discuss the Sutra "Athato Brahma Jijnasa".

7. 'साधना चतुष्य' क्या है?

What is 'Sadhana Chatushthaya'.

8. तत्त्वज्ञान प्राप्ति का अर्थ स्पष्ट करें।

Define the meaning of attaining 'Tattvajyana'.

9. "जन्माद्यस्य यतः" इस सूत्र में श्री शंकराचार्य ने किस बात पर प्रकाश डाला है।

Brief the concept of "Janmadyasya Yatah" as per Shri Shankaracharya.

10. 'अनात्मनिरूपण' को विवके चूड़ामणि के अनुसार स्पष्ट करें।

Define 'Anatmanirupana' according to Vivek-Chudamani.

11. पंचकोश की अवधारणा को वर्णन करें।

Brief the concept of Panch Kosha.

12. अपरोक्षानुभूति की आवश्यकता को परिभाषित करें।

Brief the concept or need of Aparoksh-anubhuti.

----------x----------